

अमन लेखनी

श्रीराम विराजे अयोध्याधाम.....

वैश्विक नायक हैं मर्यादा पुरूषोत्तम राम.....



वर्ष : 10

अंक : 44

लखनऊ, 22 जनवरी, सोमवार 2024

पृष्ठ : 08

मूल्य : 2.00 रुपए

राम उत्सव: आज अयोध्या में मनाया जाएगा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह

दुल्हन की तरह सजा अयोध्या का कोना-कोना

योगी की नजर में अयोध्या: लिखा-धरती का बैकुंठ सदियों तक अभिरास रहा, सरयूजी रक्त रंजित नहीं होगी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

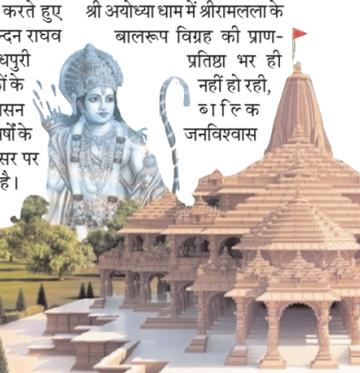
लखनऊ, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा... हर तरफ राम के अयोध्या आने का उत्सव मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन अद्भुत पलों को चौपाई में कहा। 'रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता। आयु कुसल देव मुनि त्राता। उन्होंने रामलला के अयोध्या में स्थापित होने, मंदिर बनाने के पीछे के 500 सालों के संघर्ष को लिखा।

500 साल बाद आए इस अवसर पर देश भाव विभोर

शताब्दियों की प्रतीक्षा, पीढ़ियों के संघर्ष

और पूर्वजों के व्रत को सफल करते हुए सनातन संस्कृति के प्राण रघुनन्दन राघव रामलला, अपनी जन्मभूमि अवधपुरी में नव्य-भव्य-दिव्य मंदिर में भक्तों के भावों से भरे संकल्प स्वरूप सिंहासन पर प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। 1500 वर्षों के बाद आए इस ऐतिहासिक अवसर पर आज पूरा भारत भाव विभोर है। भारत को इसी दिन की प्रतिष्ठा थी।

उन्होंने आगे लिखा- आखिर भारतवर्ष को इसी दिन की तो प्रतीक्षा थी। इसी दिन की प्रतीक्षा में दर्जनों पीढ़ियां अथुरी कामना लिए धराधाम से साकेतधाम को प्रस्थान कर गईं।



भी दोबारा प्रतिष्ठित हो रहा है। अपने खोए हुए गौरव की दोबारा प्राप्ति कर अयोध्या विभूषित हो रही है।

'श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति का समय परीक्षा काल रहा' उन्होंने लिखा- श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति महायज्ञ न केवल सनातन आस्था व विश्वास की परीक्षा का काल रहा, बल्कि पूरे भारत को एकात्मकता के सूत्र में बांधने में भी सफल हुआ। राम जन्मभूमि, संभवतः विश्व में पहला ऐसा अनुदा मामला रहा होगा, जिसमें किसी राष्ट्र

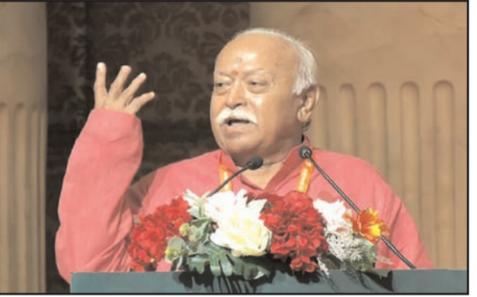
के बहुसंख्यक समाज ने अपने ही देश में अपने आराध्य की जन्मस्थली पर मंदिर निर्माण के लिए इतने वर्षों तक और इतने स्तरों पर लड़ाई लड़ी हो। संन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति-पात, विचार-दर्शन, पंथ-उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया। संतों ने आशीर्वाद दिया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों ने रूपरेखा तय की। जनता को एकजुट किया। आखिरकार संकल्प सिद्ध हुआ। उन्होंने लिखा - यह कैसी विडंबना थी कि जिस अयोध्या को 'धरती का बैकुंठ' कहा गया। वह सदियों तक अभिरास रही। सुनियोजित तिरस्कार झेलती रही। जिस देश में 'रामराज्य' को शासन और समाज की आदर्श अवधारणा के रूप में स्वीकार किया जाता रहा हो, वहीं राम को अस्तित्व का प्रमाण देना पड़ा। जिस देश में 'राम नाम' सबसे बड़ा भरोसा हो, वहां

राम की जन्मभूमि के लिए साक्ष्य मांगे गए। लेकिन राम का जीवन मर्यादित आचरण की शिक्षा देता है। संयम के महत्व का बोध कराता है। यही शिक्षा ग्रहण करके रामभक्तों ने धैर्य नहीं छोड़ा। मर्यादा नहीं लांघी। दिन, महीने, वर्ष, शताब्दियां बीतती गईं, लेकिन हर एक नए सूर्योदय के साथ रामभक्तों का संकल्प और दृढ़ होता गया। सदियों के इंतजार के बाद भारत में हो रहे इस नवविवाह को देखकर अयोध्या समेत भारत आनन्दित हो उठा है। भाग्यवान है हमारी पीढ़ी, जो इस राम-काज के साथी बन रहे हैं।

उन्होंने आगे लिखा - हमारे व्रत में हमारा मार्गदर्शन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनन्दन है। 22 जनवरी 2024 का दिन मेरे निजी जीवन के लिए भी सबसे बड़े आनंद का अवसर है। अनेक स्मृतियां जीवंत हो उठी हैं। यह राम जन्मभूमि मुक्ति का संकल्प ही था, जिसने मुझे पूज्य गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का पुण्य सान्निध्य प्राप्त कराया। भारत के इतिहास में पहली बार पहाड़, वन, द्वीप, सब जगह के

रहने वाले एक स्थान पर ऐसे किसी समारोह में हिस्सा ले रहे हैं। यह अपने आप में अद्वितीय है। इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री जी 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे। अयोध्या धाम में लघु भारत के दर्शन होंगे। इस समारोह के बाद रामभक्त, पर्यटक, शोधार्थियों, जिज्ञासुओं के लिए अयोध्या तैयार है। इसी उद्देश्य के साथ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, चारों दिशाओं से रोड कनेक्टिविटी, हेलीपोर्ट सेवा, होटल तैयार किए गए हैं। अयोध्या की पंचकोसी, 14 कोसी तथा 84 कोसी परिक्रमा की परिधि में आने वाले सभी धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों के पुनरुद्धार का काम जारी है। अब अयोध्या की गलियों में गोलियां नहीं चलेंगी। सरयूजी रक्त रंजित नहीं होगी। अयोध्या में कपर्दू का कहर नहीं होगा। यहां उल्लास होगा। राम नाम संकीर्तन गुंजायमान होगा। अवधपुरी में रामलला का विराजना भारत में रामराज्य की स्थापना की उद्घोषणा है।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले मोहन भागवत का बड़ा बयान

कहा आज कड़वाहट खत्म कर राष्ट्र निर्माण में जुटे


एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

रामनगरी अयोध्या में 22 जनवरी को वेहद शानदार कार्यक्रम में राम मंदिर का उद्घाटन होने के साथ ही गर्भ गृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी है। इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने के लिए देश के अयोध्या पहुंचेंगे और इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनेंगे। प्राण प्रतिष्ठा होने से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक मोहन भागवत का बड़ा बयान सामने आया है। प्राण प्रतिष्ठा से पहले मोहन भागवत ने कड़वाहट मिटाने के साथ विवाद खत्म करने की अपील की है।

मोहन भागवत ने एक लेख के जरिए हर तरफ की कड़वाहट को खत्म करने का अनुरोध किया है। बता दें कि यह लेख प्राण प्रतिष्ठा के संदर्भ में लिखा गया है। इस लेख में उन्होंने लिखा है कि राम मंदिर को लेकर जो भी कड़वाहट पैदा हुई है वो खत्म होनी चाहिए। विवाद खत्म करने के लिए समाज के प्रबुद्ध लोगों को भी कदम उठाने होंगे। अयोध्या की नई पहचान ऐसी होनी चाहिए कि यहां युद्ध का जिक्र ना हो। मोहन भागवत ने लिखा कि भारत में वर्षों से कई आक्रमणकारी आते रहे, जिनसे लड़ने में भारत ने लगातार संघर्ष किया है। इन

प्राण प्रतिष्ठा से पहले मोहन भागवत ने कड़वाहट मिटाने के साथ विवाद खत्म करने की अपील की है। मोहन भागवत ने एक लेख के जरिए हर तरफ की कड़वाहट को खत्म करने का अनुरोध किया है। यह लेख प्राण प्रतिष्ठा के संदर्भ में लिखा गया है।

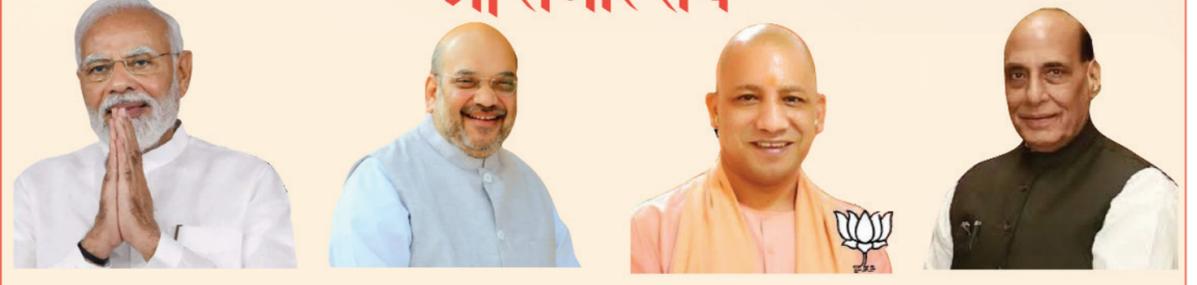
आक्रमणकारियों का उद्देश्य लूटपाट करना होता था। इस्लाम के नाम पर जितने भी आक्रमण हुए हैं वो देश में अलगाव लेकर आए हैं। विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत के मंदिरों को भी ध्वस्त कर दिया था। आक्रमणकारियों ने ऐसा एक बार नहीं बल्कि कई बार किया क्योंकि उनका उद्देश्य भारतीय समाज को हतोत्साहित और कमजोर करना था। अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर को भी इसी मनोदशा के साथ विध्वंस किया गया था। विदेशी आक्रमणकारियों के उलट भारतीय शासकों ने कभी कहीं आक्रमण नहीं किया।

असम में राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

इटानगर, कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान रविवार को असम में राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की हुई। राहुल को बचाते हुए उनके सिक्योरिटी गार्ड उन्हें बस के अंदर वापस ले गए। घटना के दौरान राहुल का काफिला सोनितपुर में था। राहुल ले घटना को लेकर कहा- आज इखट के कुछ कार्यकर्ता झंडा लेकर हमारी बस के सामने आ गए। मैं बस से निकला, वो भाग गए। हमारे जितने पोस्टर फाड़ने हैं, फाड़ दो। हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी विचारधारा की लड़ाई है, हम किसी से नहीं डरते हैं। न ही नरेंद्र मोदी से, न असम के मुख्यमंत्री से। कांग्रेस पार्टी ने न्याय यात्रा के काफिले पर 48 घंटे में दूसरी बार हमले का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा- आज जब हमारा काफिला असम में

रैली स्थल की ओर जा रहा था। तब जुमगुरीहाट में हिमंता बिस्वा सरमा के गुंडों ने महासचिव जयराम रमेश की गाड़ी पर पानी फेंका और स्टीकर फाड़ा। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने लिखा- भाजपा के लोगों ने हमारी सोशल मीडिया टीम के कैमरामैन और अन्य सदस्यों पर हमला किया, जिनमें 2 महिलाएं भी थीं। हिमंता, यह गौड़ हरकतें करनी और करवानी छोड़ दो। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को तुम और तुम्हारे गुंडे नहीं रोक सकते। इससे पहले 19 जनवरी की रात को भी कांग्रेस ने न्याय यात्रा के काफिले पर भाजपा के हमले का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने एक वीडियो भी जारी किया था, जिसमें कुछ गाड़ियों के शीशे टूटे हुए दिख रहे थे। साथ ही कुछ लोग पार्टी के होर्डिंग-बैनर उखाड़ते दिख रहे थे। राहुल गांधी ने जाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को फ्लाईंग किस दी।


श्रीरामोत्सव


500 वर्ष बाद आज 22 जनवरी 2024, दिन सोमवार सनातन धर्म के लिए एक बड़ा दिन है। हम सबके आराध्य प्रभु श्री राम लला सरकार अयोध्या में अपने मंदिर में विराजमान हो रहे हैं। प्रभु श्री राम जी सबका कल्याण करें। "अमन लेखनी परिवार"



राजकुमार सिंह चौहान
प्रधान संपादक अमन लेखनी

अयोध्या में श्री राम मंदिर का भव्य अभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

दिनांक - 22 जनवरी 2024

युधिष्ठिर सिंह
जिलाध्यक्ष - भाजपा, गोरखपुर

शशि प्रताप सिंह
ब्लाक प्रमुख - पाली

श्री रामलला विराजमान



श्रीरामोत्सव

"राम मंदिर के निर्माण की यह प्रक्रिया राष्ट्र को जोड़ने का उपक्रम है।"

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



सप्तपुरियों में प्रथम श्रीअयोध्या धाम में
प्रभु श्रीराम के बाल रूप विग्रह का

**प्राण
प्रातिष्ठा
समारोह**



गरिमामयी उपस्थिति

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

डॉ. मोहनराव भागवत
सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

महंत नृत्यगोपाल दास
अध्यक्ष, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 22 जनवरी, 2024 | समय : अपराह्न 12:20 बजे | स्थान : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, श्रीअयोध्या धाम

लाइव प्रसारण

DD NEWS व Youtube.com/DDNEWS
Youtube.com/dduttarpradesh

एवं

UPGovtOfficial

f

CMOUttarpradesh

X

CMOfficeUP

